<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 1106

27 दिसंबर, 2017 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय इस्पात संस्थान

1106. श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रमः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में राष्ट्रीय इस्पात संस्थानों की राज्य-वार संख्या कितनी-कितनी है;

(ख) इनमें से उन संस्थानों की संख्या कितनी है जिनका मानित विश्वविद्यालय की हैसियत के साथ राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में उन्नयन हुआ है;

(ग) क्या कुछ ऐसे संस्थानों का उन्नयन, व्यवहार्यता प्रतिवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण लंबित है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन्नयन पूरा होने की समय-सीमा क्या होगी?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): दो राष्ट्रीय इस्पात संस्थान मौजूद हैं, यथा- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सेकेंडरी स्टील टेक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी), जोकि पंजाब के मंडी, गोविंदगढ़ में स्थित है और बीजू पटनायक नेशनल स्टील इंस्टिट्यूट (बीपीएनएसआई), जोकि ओडिशा के पुरी में स्थित है।

(ख): इनमें से किसी भी संस्थान का राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में मानित विश्वविद्यालय की हैसियत से उच्चीकरण नहीं हुआ है।

(ग) और (घ): इस्पात मंत्रालय द्वारा गौण इस्पात क्षेत्र की जरुरतों को पूरा करने के लिए बीजू पटनायक नेशनल स्टील इंस्टिट्यूट (बीपीएनएसआई) की स्थापना ओडिशा के पुरी में एक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में पायलट आधार पर की गई थी। बीपीएनएसआई के उच्चीकरण हेतु एक रोडमैप का सुझाव प्रदान करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए एक टास्क फोर्स का भी गठन किया गया था। इस तथ्य पर विचार करते हुए भी परियोजना में पूँजीगत निवेश के रूप में 1170.00 करोड़ रुपये के वृहत् निवेश और प्रतिवर्ष आवर्ती खर्चे के रूप में 541.00 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है तथा इसके निधियन में भारत सरकार, ओडिशा की राज्य सरकार, इस्पात एवं खान सीपीएसई और निजी क्षेत्र द्वारा हिस्सेदारी की जानी है, परियोजना पर प्रौद्योगिकी–व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करने का कार्य मेकॉन को सौंपा गया था, जैसा कि टास्क फोर्स द्वारा सुझाव दिया गया था। उक्त उच्चीकरण के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

*****